नवभारत

Mon, 08 Jan-18; Navbharat - Mumbai; Size : 351 sq.cm.; Circulation:317032;
Page : 7

आकर्षक निवेश माध्यम बनता बीमा : वोहरा

ग्राहक हितैषी बना उद्योग

व्यापार प्रतिनिधि

मुंबई. रिलायंस निपोन लाइफ इंश्योरेंस के कार्यकारी निदेशक व सीईओ आशीष वोहरा ने कहा है कि 2017 में मिली गति के साथ भारत का लाइफ इंश्योरेंस उद्योग नव वर्ष 2018 में ऊंची वृद्धि करने के लिए तैयार है और इसमें कम पहुँच तथा घरेलू बचत में वित्तीय संपत्तियों की बढती हिस्सेदारी से सहायता मिलेगी. कम ब्याज दरों वाले वातावरण के बीच भारतीय घरेलू वित्तीय नियोजन बदल रहा है जिससे जीवन को होने वाले जोखिम को न्यूनतम करने और आम आदमी के लिए एक आकर्षक निवेश का क्षेत्र बनकर लाइफ इंश्योरेंस सबसे आगे आ रहा है. कई वर्षों के सफर में लाइफ इंश्योरेंस सकारात्मक नियमों और दिशानिर्देशों के चलते अधिक ग्राहक हितैषी बन चुका है. 2018 में भी एजेंसी के विस्तार, बैंकाश्योरेंस, डिजिटलाइजेशन और सरकारी नीतियों से इंडस्ट्री को मदद मिलने की अपेक्षा है.

आशीष वोहरा ने कहा कि 2017 का साल अत्यंत रोमांचक स्थिति में शुरू हुआ था, नोटबंदी के प्रभाव से एनुअल प्रीमियम इक्विवैलेंट (एपीई) ऊंची आर्थिक बचत के आधार पर सशक्त रूप से बढा. जीवन बीमाकर्ताओं का पहले वर्ष का प्रीमियम साल दर साल आधार पर 16% से बढा है और 1.81 लाख करोड रुपए तक पहुंच गया, जबकि पॉलिसियों की संख्या ने गत वर्ष के 1.37 करोड़ की तुलना में 1.5 करोड़ के पड़ाव को पार किया.

'आधार' से होंगे लाभ

इंश्योरेंस के नियामक आईआरडीए ने मौजूदा और नई बीमा पॉलिसियों के लिए पैन/फॉर्म 60 और आधार से जोडना अनिवार्य किया, जिसके चलते आने वाले समय में ग्राहकों और हितधारकों को अनेक लाभ मिलने वाले हैं. इंश्योरेंस प्लान्स के साथ आधार को लिंक करना खासकर दावाकर्ता की विशेष पहचान को स्थापित करने के लिए दावों का निपटारा करने के दौरान लाभदायक साबित होगा. इससे दावे में होने वाली धोखाधडी भी खत्म होगी और निपटारे की रफ्तार बढेगी और ग्राहक का अनुभव बेहतर होगा.

'यूलिप्स' की बढ़ती बिक्री

- उत्पाद के नजरिए से यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान्स (यूलिप्स) और गारंटियों से लाइफ इंश्योरेंस उद्योग की प्रीमियम वृद्धि में गति मिलेगी.
- पिछले साल बाजार में आए उतार-चढावों से घरेलू नकदीकरण का तीव्र चक्र देखने को मिला है जिससे यूलिप की बिक्री बढ़ने में मदद मिली जबकि पारंपरिक ग्राहकों ने 20 वर्ष के गारंटी उत्पादों का चयन करके ब्याज दरों में अनिश्चितता को रोकने का फैसला किया.
- भारतीय जनसंख्या की विविधता को देखते हुए गारंटी के साथ पारंपरिक उत्पाद जन सामान्य में और संभ्रांत ग्राहकों में लोकप्रिय रहेंगे. जो कि आर्थिक बचत के पारंपरिक तरीकों के प्रति रुझान रखते हैं और जो बाजार जोखिमों का सामना कम करना चाहते हैं उनके लिए यूलिप सही है.

बजट में कर रियायत की उम्मीद

2018-19 का बजट जीवन बीमा उद्योग के लिए महत्वपूर्ण होगा. जीवन बीमा को अलग से कर रियायत की सीमा दी जानी चाहिए जैसे कि कई एशियाई देशों में है.